श्री स्वर्ण सिंह : मैं नहीं समझता कि कोई ऐसा प्रचार किया गया हो जिसका असर यह हुआ है क्योंकि खुद उनके प्रेसीडेंट की विजिट भी कैंसिल हुई है ।

Shri Khadilkar (Khed): In view of the Government's categorical statement regarding our policies regarding the South Vietnam crisis and bearing in mind the old adage that if there is a rebuff or insult, it should be silently suffered, taken in without being ruffled and kept in mind, I do not want to put any questions on this.

12.33 hrs.

RE: MOTION OF PRIVILEGE

Mr. Speaker: I have received two notices of privilege motion from Mr. Bagri and Mr. Yadav about the **same talk that Mr. Kripalani referred to between Mr. Nanda and Mr.** Morarka, when there were certain other members present. I want to know exactly what the words were that were used. Mr. Kripalani had said it, but Mr. Bagri and Mr. Yadav have not put in those words. I will just look into that record also and Mr. Kripalani's statement and then I will take it up tomorrow morning.

12.33½ hrs.

RE: CALLING ATTENTION NOTICE (Query)

श्री बागड़ी (हिसार) : मेरा एक ध्यानाकर्षण प्रश्न था पंजाब के व्यापारियों की हड़ताल के बारे में ।

अध्यक्ष महोदय : उसके बारे में दफ्तर वाले आपको इत्तला दे देंगे ।

12.33-3/4 hrs.

PAPER LAID ON THE TABLE

ANNUAL REPORT OF THE ADMINISTRATIVE VIGILANCE DIVISION

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Hathi): I beg to lay on the Table a copy of Annual Report of the Administrative Vigilance Division for the year 1964. [Placed in Library, *see* No. LT-4212/65].

12.34 hrs.

ESTIMATES COMMITTEE

EIGHTIETH REPORT

Shri A. C. Guha (Barasat): I beg to present the Eightieth Report of the Estimates Committee on the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture)—Indian Grassland and Fodder Research Institute, Jhansi, and Soil Conservation Research, Demonstration and Training Centres.

12.34½ hrs.

PUBLIC ACCOUNTS COMMITTEE

THIRTY-FIFTH REPORT

Shri P. Venkatasubbaiah (Adoni): I beg to present the Thirty-fifth Report of the Public Accounts Committee on the Appropriation Accounts (Civil), 1962-63 and Audit Report (Civil) 1964 relating to the Ministries of Commerce, Food and Agriculture, Health, Home Affairs and Industry.

12.34¾ hrs.

COMMITTEE ON PUBLIC UNDERTAKINGS

FIFTH REPORT

Shri P. G. Menon (Mukundapuram): I beg to present the Fifth

[Shri P. G. Menon]

Report of the Committee on Public Undertakings on the Oil and Natural Gas Commission, Dehra Dun.

12.35 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS*—*contd.*

MINISTRY OF HEALTH—*contd.*

Mr. Speaker: The House will now resume further discussion and voting on the demands for grants relating to the Ministry of Health. Out of 4 hours allotted, 2 hours 10 minutes have been availed of and 1 hour 50 minutes are still left. Hon. members should be brief in making their points.

श्री हिम्मतसिंहका (गोंडा) : अध्यक्ष महोदय हेल्थ मिनिस्ट्री की मांगों के संबंध में मैं केवल इतना कहना चाहता हूं कि अभी तक जो काम हुआ है वह काफी हुआ है। अस्पतालों में बैड्स के बारे में और अन्य बातों के बारे में जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था उस से ज्यादा काम हो गया है ।

एक कहावत है कि "प्रिवैंशन इज बैटर दैन क्योर" । में चाहता हूं कि इस मंत्रालय को अब प्रिवेंशन की ओर ज्यादा ध्यान देना चाहिए । दवाओं से जितना फायदा होता है उससे कहीं ज्यादा फायदा लोगों को यह समझाने से हो सकता है कि किस प्रकार उनका स्वास्थ्य अच्छा रह सकता है किस प्रकार रहने से उनको बीमारियां कम होंगी । इस ओर हमको नियमित रूप से और संगठित रूप से काम करने की व्यवस्था करनी चाहिए । मैं समझता हूं कि ऐसा करने से ज्यादा फायदा होगा । इसलिए मेरा सुझाव है कि हम लोग एक आन्दोलन करें ताकि हमारी जनता को इस सम्बन्ध में जानकारी हो कि किस ढंग से उन्हें रहना चाहिए जिससे कि बीमारियां न फैलें । हमको इस काम के लिए कुछ लिटरेचर निकालना चाहिएं कुछ छोटी बड़ी किताबें निकालनी चाहिएं और उनको छोटे स्कूलों से ही पाठ्यक्रम में रखना चाहिए, इन पुस्तकों को प्रौढ़ शिक्षा केन्द्रों में भी पढ़ाया जाना चाहिए और जनता को स्वस्थ रहने का इस प्रकार प्रशिक्षण दें । इससे बहुत कम पैसा खर्च करके हम उनको बहुत ज्यादा लाभ पहुंचा सकेंगे । यदि दवाएं देने में ज्यादा पैसा खर्च न करके हम उनको ये बातें बताने में वह पैसा खर्च करें तो मेरा खयाल है कि उससे ज्यादा फायदा होगा ।

अभी देहातों के लोगों को स्वास्थ्य सम्बंधी ज्ञान देने का कोई इन्तिजाम नहीं है, न ही ये बातें स्कूलों में या कालिजों में पढ़ायी जाती हैं । इसलिए मेरा विचार है कि अगर इस दिशा में मंत्रालय ध्यान देगा तो इससे लोगों को बहुत फायदा होगा । मेरा सुझाव है कि छोटी-छोटी किताबें लिखी जाएं और प्राइमरी स्कूलों से ही बच्चों को ये बातें सिखायी जानी चाहिएं तो अच्छा होगा ।

कल मिनिस्ट्री की तरफ से एक जलसा होने वाला है कि जिसमें पोस्ट ग्रेजुएट लोगों को हैल्थ के सम्बन्ध में शिक्षा देने की व्यवस्था की जाएगी । यह बहुत अच्छा काम है, लेकिन मेरा विचार है कि इसको बड़े पैमाने पर करना चाहिए, खाली पोस्ट ग्रेजुएटस के लिए ही यह व्यवस्था न की जाए बल्कि छोटे-छोटे स्कूलों आदि में भी इस प्रकार की शिक्षा का प्रबन्ध किया जाए तो इससे ज्यादा फायदा होगा ।

अभी हमारे देश में खाने पीने के सम्बन्ध में लोगों में बड़ा अज्ञान फैला हुआ है ।

*Moved with the recommendation of the President.